Tc.No.: GUJHIN00722

दैनिक

क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 59, शनिवार, 24 मार्च 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

सार समाचार

एटीएम में कैश डालने वाली कंपनी का कर्मचारी फर्जीवाड़ा कर हो गया फरार

बैंकों को कंपनी कर्मी ने लगाई सवा दो करोड़ की चपत

नई दिल्ली। विभिन्न बैंकों के एटीएम में रपए डालने का काम करने वाली कम्पनी के एक कर्मचारी ने एटीएम में रपए डालने के क्रम में बैंकों को करीबन 2.22 करोड़ रुपए की चपत लगाकर फरार हो गया। इसका खुलासा तब हुआ, जब अचानक एक दिन आरोपी कर्मचारी अपना घर छोड़कर फरार हो गया। जिसके जब शक के आधार पर कम्पनी द्वारा जांच की गई, तब जाकर पूरे घपले का पता चला। फिलहाल कम्पनी के आधिकारी संदीप जांगड़ा ने आर्थिक अपराध शाखा में उक्त आरोपी कर्मचारी के खिलाफ केस दर्ज कराया है। आरोपी कर्मचारी की पहचान अब्दुल कादिर के रूप में की गई है, जो कम्पनी में दिसंबर 2014 से काम कर रहा था। दिल्ली में काम करने वाले ब्रिंक्स नामक कम्पनी राजधानी के विभिन्न बैंकों के एटीएम मशीनों में रपए डालने का काम करती है, जिसका मुख्यालय जनकपुरी में है। बताया जाता है कि, रोजाना मुख्यालय से गाड़ियों में रपए भरकर विभिन्न एटीएमों में डाले जाते हैं। अपने बयान में संदीप जांगड़ा ने बताया कि उनके रूट संख्या-12 पर अब्दुल कादिर नामक कर्मचारी काम करता था, जिसके पास अपने रूट के 42 एटीएम में रपए डालने की जिम्मेदारी थी। बीते 23 फरवरी को अचानक से अब्दुल कादिर गायब हो गया। करीब 11 बजे सुबह फोन पर बात होने के बाद उसका फोन भी बंद हो गया। जब उसके घर पर जाकर जानकारी लेने की कोशिश की गई तो पता चला कि वह अपने घर से फरार है। उसके अचानक से गायब हो जाने के बाद कम्पनी के अधिकारियों को शंका हुई। तुरंत रु ट संख्या-12 पर स्थित 42 एटीएम बूथों की जांच की गई, जिसमें पता चला कि उन एटीएम में तकरीबन 2.22 करोड़ रु पए कम हैं। जिसके बाद आरोपी पर मामले में केस दर्ज कराया गया। दरअसल एटीएम में डालने के लिए जितनी रकम उसे दी जाती थी, वह उसमें से हमेशा थोड़े रपए निकाल लिया करता था और धीरे-धीरे उसने एटीएम से 2.22 करोड़ रुपए निकाल लिए। हालांकि कम्पनी को कभी भी इस बात की भनक तक नहीं लगी।

रिटार्यड कर्नल के घर में नौकरानी ने की खुदकुशी

नई दिल्ली। डिफेंस कॉलोनी में एक पूर्व कर्नल के घर पर घरेलू नौकरानी ने आत्महत्या कर ली। मृतका की शिनाख्त पूजा के तौर पर की गई और उसके शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया है। पुलिस ने बताया कि इस घटना की सूचना बृहस्पतिवार दोपहर 2.15 बजे पुलिस को मिली थी लेकिन मौके पर पहुंची पुलिस को कोई सुसाइड नोट मौके से नही मिला है। इस कारण आत्महत्या के सही कारणों का पता फ्लिहाल नहीं चल सका है। पुलिस उपायुक्त रोमिल बानिया ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि एक घरेलू नौकरानी ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है। इस तरह की सूचना मिलने पर पुलिस टीम डिफेंस कॉलोनी के मकान नंबर सी-560 में पहुंची, जहां बेसमेंट में एक युवती पंखे के सहारे लटकी हुई मिली। छानबीन में पाया गया कि यह मकान सेवानिवृत्त कर्नल बीएस भंडारी का है और भंडारी अपने परिवार के साथ इसी मकान में रहते हैं। पुलिस ने घटना की सूचना नौकरानी के परिजनों को दे दी है। बताया जा रहा है कि नौकरानी एक साल पहले ही काम पर रखी गई थी।

शालीमार बाग में बार के पार्टनर की गोली लगने से मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। शालीमार बाग थाना इलाके में स्थित एक बार में गोली लगने से युवक की मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त नासिर के तौर पर की गई और उसके शव को मौके पर पहुंची पुलिस ने पाया कि जख्मी युवक को गोली सिर में लगी है। पुलिस जख्मी युवक को अस्पताल ले गई जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शुरुआती जांच में पता चला है कि नासिर इस बार में साझेदार था। वह दोस्तों के साथ पार्टी कर रहा था। इस बीच उसने पिस्टल निकाली और अचानक से गोली चल गई। बहरहाल पुलिस विभिन्न एंगल से मामले की जांच कर रही है। पुलिस उपायुक्त असलम खान ने बताया कि मौके पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया है कि नासिर ने खुद ही गोली मारी थी, लेकिन इस बात की पुष्टि के लिए क्लब में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक स्तर पर यह मामला खुदकुशी का प्रतीत होता है लेकिन परिजनों का कहना है कि सोची समझी साजिश के तहत नासिर को मौत के घाट उतारा गया।

गार्ड ऑफ ऑनर

हैलावा वायु सेना स्टेशन में गुरुवार को भारत के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को भारतीय वायु सेना के 230 सिग्नल यूनिट द्वारा 51वें स्क्वाड्रन प्रस्तुतीकरण समारोह के दौरान सम्मान के रूप में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। समारोह के बाद भारत के राष्ट्रपति ने वायु सेना स्टेशन का निरीक्षण भी किया।

राष्ट्रपति ने वायुसेना यूनिट को किया सम्मानित

लुधियाना, एजेंसी। राष्ट्रपति और सर्वोच्च सेना नायक रामनाथ कोविंद ने गुरुवार को भारतीय वायुसेना के 51 स्कवाड्रन को राष्ट्रपति निशान व 230 सिंगल यूनिट को राष्ट्रपति सम्मान प्रदान किया। यह सम्मान ग्रुप कैप्टन सतीश एस पवार, कमांडिंग अफसर, 51 स्कवाड्रन व ग्रुप कैप्टन एसके त्रिपाठी, स्टेशन कमांडर, 230 सिंगल यूनिट ने प्राप्त किया। वायुसेना स्टेशन हलवारा में एक भव्य समारोह के दौरान इन यूनिट की प्रशंसनीय राष्ट्रसेवा के लिए दिया गया। राष्ट्रपति ने दोनों यूनिटों की इतिहास पत्रिकाओं का भी विमोचन किया। देश की एकता, निष्ठा एवं अखंडता की रक्षा करने वाली तेजस्वी सैन्य परंपराओं का स्मरण किया।

»» सरकार लाएगी एग्रीकल्चर-कम- सोलर फार्म स्कीम

राजधानी के किसान अब बिजली की खेती करेंगे : सिसोदिया

नई दिल्ली। राजधानी के किसान अब सोलर ऊर्जा की खेती करेंगे यानि दिल्ली सरकार उनसे सोलर ऊर्जा खरीदेगी। दिल्ली के ऊर्जा मंत्री मनीष सिसोदिया ने बृहस्पतिवार को अपने बजट में खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली को बिजली के मामले में आत्म निर्भर बनाना है। इसके लिए घरों की छतों से लेकर सड़कों तक हर जगह सोलर पैनल लगाए जाएंगे। दिल्ली में एक 16 किलोमीटर साइकिल ट्रैक बनाने की योजना है, उसके ऊपर भी सोलर पैनल लगाए जाएंगे।

गैर पारंपरिक ऊर्जा के आंकड़े देते हुए उन्होंने कहा कि फरवरी तक कुल 133.13 मेगावाट बिजली पैदा हो रही थी। इसमें कूड़े से उत्पादित बिजली भी शामिल है। खासबात यह है कि गरीबों को बिजली में रियायत अगले वित्त वर्ष यानी 2018-19 में भी लागू रहेगी। वित्त मंत्री ने कहा कि दिल्ली में बिजली की खपत को कम करना है। किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार एग्रीकल्चर-कम- सोलर-फार्म-स्कीम लाने की तैयारी कर चुकी है। इसमें किसान फसल के ऊपर (एक निर्धारित ऊंचाई के बाद) सोलर पैनल लगाएंगे जिससे खेती भी होती रहेगी और जो बिजली पैदा होगी, उसे सरकार खरीदेगी। इसके लिए सरकार ने फि लहाल अल्पकालिक एक योजना शुरू की है। इसमें कोई भी आम आदमी अपने घर की छत पर सोलर पैनल लगा सकता है। दिल्ली सरकार 2 रपए प्रति यूनिट की दर से वह बिजली खरीदेगी।

कर्नाटक में हो रही अवैध वोटिंग

नई दिल्ली। राज्यसभा चुनाव के लिए छह उत्तर प्रदेश समेत छह राज्यों की 25 सीटों पर मतदान आज सुबह 9 बजे से शुरू हो चुका है। यूपी की 10 सीटों में से भारतीय जनता पार्टी की 8 सीटों पर जीत तय है लेकिन वह एक और सीट छीनने की कोशिश में है। उत्तर प्रदेश (10 सीट), पश्चिम बंगाल (छह सीट), झारखंड (दो सीट), कर्नाटक (चार सीट), तेलंगाना (तीन सीट) व छत्तीसगढ़ (एक सीट) शामिल है। इन सभी राज्यों में तय सीटों से एक उम्मीदवार ज्यादा होने से चुनाव कराए जा रहे है। राज्य सभा की जिन 59 सीटों को भरा जाना है उनमें से मार्च 15 को 10 राज्यों के 33 उम्मीदवारों निर्विरोध चुना गया। उनमें केन्द्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद और प्रकाश जावड़ेकर शामिल थे। यह चुनाव उत्तर प्रदेश जहां केन्द्रीय वित्त मंत्री अरूण जेटली का जीतना तय माना जा रहा है, इसके अलावा पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, झारखंड, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में मतदान हो रहा है। जनता दल सेक्यूलर के एचडी कुमारस्वमी ने कहा कि कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेताओ ने पहली बार में क्रॉस वोटिंग की। उसके बाद रिटर्निंग ऑफीसर ने फ्रेश वैलेट पेपर पर फिर से वोट देने की इजाजत दी। अवैध वोटिंग की जा रही है। इसलिए चुनाव पर्यवेक्षक से हमने यह अपील की है कि वे इन गतिविधियों को रोके। केरल की एक राज्यसभा सीट के लिए तिरुवनंतपुरम स्थित विधानसभा में वोटिंग जारी हमने जहां भी राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार उतारें हैं वहां पर बीजेपी जीतेगी। उत्तर प्रदेश से 9 बीजेपी के उम्मीदवार राज्यसभा में प्रवेश करेंगे- केशव प्रसाद मौर्य, यूपी उप-मुख्यमंत्री समाजवादी नेता सुनील साजन ने कहा कि हमारे 35 विधायकों ने वोट दिया है। बीजेपी खरीद फरोख्त में लगी हुई है।

»» महाराष्ट्र में सामने आया 'चूहा घोटाला',

हज़्ते भर में ही मार दिए गए 3 लाख 14 हजार चूहे

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में अपनी ही तरह का एक नया घोटाला सामने आ रहा है। ये घोटाला मंत्रायल द्वारा चूहों को मारने के लिए एक कंपनी को दिए गए ठेके से जुड़ा है।

महाराष्ट्र में चूहे मारने का काम मंत्रालय ने एक कंपनी को दिया था। अब सामने आ रहा है कि इस कंपनी ने सात दिन में ही 319400 चूहें मार दिए हैं। गुरुवार को बीजेपी के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री एक नाथ खडसे ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि मंत्रालय के रख-रखाव की जिम्मेदारी प्रशासन के पास है और इसके प्रमुख मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस हैं। खडसे ने इस मामले को घोटाला बताया और साथ ही इसकी जांच की मांग भी की। खड़से ने विधानसभा में कहा कि 3,19,400 चूहों को मारने के लिए जिस कंपनी को ठेका दिया गया था, उस कंपनी ने केवल 7 दिनों में ही तीन लाख से ज्यादा चूहें कैसे मार दिए।

खडसे ने आगे कहा कि बीएमसी दो साल में छह लाख चूहे ही मारती है और मंत्रालय ने मात्र सात दिन में तीन लाख से ज्यादा चूहे मार दिए।

2016 में एक निजी कंपनी को दिए ठेके की शर्तों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि 6 महीने में मंत्रालय के चूहे खत्म करने थे लेकिन यह काम महज 7 दिन में निपटा दिया गया। यह कारनामा कैसे हुआ इसकी जांच होनी चाहिए। अपने बयान में उन्होंने यह भी कहा कि इसका मतलब है कि एक दिन में 45,628.57 चूहे मारे गए। इसका मतलब यह भी है कि कंपनी ने हर मिनट 31.68 चूहे मारे। इनका वजन करीब 9,125.71 किलो होगा और मरे हुए चूहों को मंत्रालय से ले जाने के लिए रोजाना एक ट्रक की जरूरत पड़ी होगी। वहीं यह भी नहीं पता कि उन्हें कहां फेंका गया। उन्होंने आरोप लगाया कि मंत्रालय के परिसर में कंपनी द्वारा रखे गए जहर को खाकर धर्मा पाटिल नाम के एक किसान ने फरवरी में आत्महत्या कर ली थी।

पाटिल ने भूमि अधिग्रहण के लिए मिलने वाले मुआवजे में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए मंत्रालय में जहर खा लिया था और कुछ देर बाद ही उसकी मौत हो गई थी।

मंदिर जा रहे लोगों से भरा ऑटो ट्रक से भिड़ा, दस की मौत

जौनपुर। जौनपुर-प्रतापगढ़ बार्डर पर स्थित जगतपुर में शुक्रवार को ट्रक और आटो रिक्शा में जबरदस्त टक्कर में 10 लोगों की मौत हो गई। ऑटो में चालक समेत 11 लोग सवार थे। घटना दोपहर करीब एक बजे हुई।

चालक को गंभीर हालत में प्रतापगढ़ जिला अस्पताल भेजा गया है। मरने वालों में नौ लोग जौनपुर के मुंगरबादशाह पुर क्षेत्र के गौरैयाडीह गांव के निवासी थे। एक महिला प्रतापगढ़ की है। मरने वालों में आठ महिलाएं और दो बच्चे हैं। हादसे के बाद चालक ट्रक लेकर भाग गया है।

इस बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख और घायलों को 50-50 हजार रुपये की मदद देने की घोषणा की है। गौरैयाडीह गांव के कुछ लोगों ने नवरात्र के छठे दिन प्रतापगढ़ के रानीगंज इलाके में पड़ने वाले रईया मंदिर में दर्शन का कार्यक्रम बनाया था। दो ऑटो और एक पिकप से करीब दो दर्जन लोग मंदिर के लिए दोपहर 12 बजे निकले।

दोपहर करीब एक बजे पिकप तो आगे निकल गई लेकिन प्रतापगढ़ के फतनपुर थाना क्षेत्र के सुवनशा बाजार के पास जगतपुर तिराहा पर अचानक दो में से एक ऑटो को ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए। उसमें सवार 11 लोगों में से दस की मौके पर ही मौत हो गई। पीछे आ रहे ऑटो वालों की सूचना पर पिकप भी लौटी और चीख पुकार से कोहराम मच गया। कुछ देर में ही आसपास के थानों की पुलिस भी पहुंच गई और सबसे पहले गंभीर रूप से घायल ऑटो चालक दीपक सरोज को अस्पताल भेजा। फिर एम्बुलेंस से सभी शवों को भी प्रतापगढ़ जिला अस्पताल भेजा गया।

मरने वालों में एक 43 वर्षीय ऊषा देवी पत्नी अजय कुमार घूरीपुर फतनपुर प्रतापगढ़ की हैं। अन्य सभी गौरैयाडीह के हैं। फिलहाल ऊषा के अलावा आठ वर्षीय पारो पुत्री राजाराम की पहचान हुई है।

आश्वासन कमेटी रखेगी हर योजना पर नजर : केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार का बजट गरीबों, महिलाओं, छात्रों, मध्यम वर्ग व व्यापारियों का बजट है जिसमें शिक्षा व स्वास्य पर सरकार ने विशेष ध्यान दिया है। बिजली के क्षेत्र में चौथे साल भी आधे दर पर सस्ती बिजली मिलती रहेगी। दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव को हर सप्ताह कैबिनेट बैठक में बताना होगा कि कौन सी योजना समय पर चल रही व कौन सी योजना देर से चल रही है। विधान सभा में बजट पेश होने के बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने पहला बजट 30 हजार करोड़ का पेश किया व इस वर्ष 53 हजार करोड़ का बजट पेश किया जो दोगुने से थोड़ा ही कम है। आज संवाददाता सम्मेलन में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, प्रधान वित्त सचिव एस एन सहाय व योजना विभाग के सलाहकार बीके शर्मा मौजूद थे। चौथे साल भी सबसे सस्ती बिजली दिल्लीवासियों को मिलती रहेगी। इस बार सड़क,पानी व सीवर पर ज्यादा ध्यान दिया गया है। यह ईमानदार सरकार है जिसने व्यापारियों को तंग नहीं किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार वाशिंगटन यूनिर्वसटिी के सहयोग से अध्ययन कराएगी व प्रदूषण के रियल टाइम डाटा तैयार करेगी। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अगले डेढ़ साल में दिल्ली में 3900 नई बसें चलेगी। इसमें एक हजार डीटीसी की बसें, एक हजार क्लस्टर बसें, एक हजार इलेक्ट्रिक बसें व 905 मेट्रो की फीडर बसें होंगी। दिल्ली सरकार ने सड़कों पर भारी जोर दिया है। सड़कें टूटी दिखती है। लोक निर्माण विभाग सड़क बनाएगा व जनता इसका ऑडिट करेगी। लोक निर्माण विभाग को कहा गया है कि सड़क निर्माण के साथ ऑडिट का प्रस्ताव तैयार करे। नगर निगमों की सड़क के मरम्मत के लिए 1000 करोड़ रपए आवंटित किए गए हैं। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में 900 एमजीडी पानी उपलब्ध है, इसलिए पानी की कमी नहीं है, सिर्फ मैनेजमेंट की कमी है। बड़े स्तर पर में तीन हजार वाटर मीटर लगाए जाएंगे। यह दिसंबर तक पूरा हो जाएगा। पानी की ऑडिटिंग जरूरी है। साथ ही सीवर को लेकर मेगा शिफ्ट होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेरोज़गारी बड़ी समस्या है। दिल्ली सरकार ने सिंगापुर की मदद से विवेक विहार में स्किल डवलपमेंट सेन्टर बनाया। वहां बच्चों को सौ प्रतिशत प्लेसमेंट मिल रहा है। सरकार अब इसी प्रकार के 25 नए स्किल सेन्टर खोलेगी।

अमेरिका ने माना, डी-कंपनी का नेटवर्क हुआ मजबूत

»» दाऊद की बढ़ी ताकतः

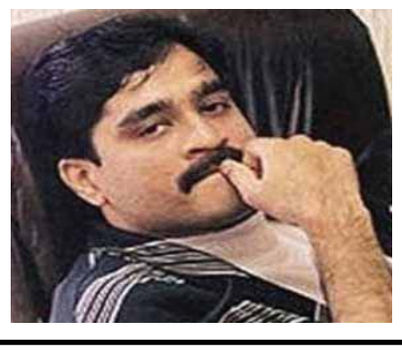

वाशिंगटन। भारत में भगोड़ा करार दिए गए डॉन दाऊद इब्राहिम के पाकिस्तान स्थित आपराधिक गुट डी- कंपनी ने कई देशों में अपने पैर पसार लिए हैं। जॉर्ज मैसन यूनिवर्सिटी के सेचार स्कूल ऑफ पॉलिसी में प्रोफेसर डॉ. लुईस शेली ने अमेरिकी सांसदों को गुरूवार को बताया कि भारत से संबद्ध पाकिस्तान स्थित आपराधिक-आतंकी समूह डी- कंपनी ने नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए कई देशों में पांव पसार लिए हैं शेली ने दावा किया कि डी- कंपनी का जाल कई देशों में फैला हुआ है। उन्होंने आतंकवाद और अवैध वित्त पोषण पर सदन की वित्तीय सेवाओं संबंधी समिति द्वारा आयोजित सुनवाई के दौरान कहा, ''मैक्सिको के नशीले पदार्थों के संगठनों की तरह डी- कंपनी का जाल विभिन्न देशों में फैला है। वे हथियारों, नकली डीवीडी की तस्करी करते हैं और हवाला संचालकों की व्यापक व्यवस्था के जरिए वित्तीय सेवाएं मुहैया कराते हैं। डी- कंपनी का मुखिया भारत में भगोड़ा करार दिया गया डॉन दाऊद इब्राहिम है। अपराध के बड़े मामलों और मुंबई जैसे स्थानों पर आतंकवादी हमलों के मामलों में भारत में वांछित दाऊद का डेरा अब पाकिस्तान के कराची शहर में है।

अमेरिकी और भारतीय अधिकारियों ने यह दावा किया है। पाकिस्तानी अधिकारी अपने देश में दाऊद के होने से इनकार करते रहे हैं। दाऊद के खिलाफ भारत के अभियान को अमेरिका ने आखिरकार 2003 में माना। उस समय अमेरिका के राजकोष विभाग ने दाऊद को वैश्विक आतंकवादी घोषित किया जिसके तार अल- कायदा से जुड़े हुए हैं।

संयुक्त राष्ट्र ने भी उस पर प्रतिबंध लगा रखे हैं। पाकिस्तान पर दाऊद को शरण देने की भारत की बात की पुष्टि करते हुए उस समय राजकोष विभाग ने कहा था कि दाऊद कराची में है और उसके पास पाकिस्तानी पासपोर्ट है।

सच्चे वीर को युद्ध में मृत्यु से जितना कष्ट नहीं होता उससे कहीं अधिक कष्ट कायर को युद्ध के भय से होता है -भर्तृहरि

फेसबुक मतदादा पहचान

भाजपा और कांग्रेस के बीच चुनाव के दौरान डाटा प्रदान करने वाली एक कंपनी की सेवा को लेकर जो आरोप-प्रत्यारोप हो रहे हैं, उनका मूल तत्व यह है कि दुनिया में चुनाव को प्रभावित करने के लिए इस कंपनी ने डाटा चोरी की है। हम देखते हैं कि चुनाव के दौरान ऐसी अनेक कंपनियां या फर्म पार्टियों, नेताओं और उम्मीदवारों से संपर्क करके मतदाताओं का डाटा यानी उनकी पूरी सूचना देने का दावा करती हैं। पार्टियां, नेता और उम्मीदवार ऐसी संस्थानों की सेवाएं लेतीं भी हैं। अगर मतदादा पहचान पत्र से या अन्य मान्य स्रेतों से किसी का नाम, पता आदि प्रदान किया जाए, किसी पार्टी या उम्मीदवार को सेवा देने वाली कंपनियां उनसे किसी तरह संपर्क कर किसी पार्टी या उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करने के लिए अनुरोध करें यहां तक कोई बुराई नहीं है। किंतु विवाद में घिरी कंपनी कैम्ब्रिज एनालिटिका का मामला जरा दूसरा है। फेसबुक उपयोग करने वाले अपने राजनीतिक विचार भी लिखते हैं या बोलते हैं। फेसबुक पर कोई ऐसा ऐप बनाकर प्रस्तुत किया जाए, जिसमें उपभोगकर्ताओं से और जानकारी ली जा सके और यह पूरी जानकारी किसी पार्टी या उम्मीदवार को या उसके लिए चुनाव अभियान चलाने वालों को बेच दिया जाए तो इसके निश्चय ही खतरनाक प्रवृत्ति कहेंगे। जो सूचना है उसके अनुसार कैम्ब्रिज एनालिटिका ने 2016 में डोनाल्ड ट्रंप के लिए ऐसा ही किया था। इससे ट्रंप को चुनावी लाभ पहुंचाया गया। इस कंपनी पर अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के अलावा केन्या, नाइजीरिया एवं अन्य देशों के चुनावों को प्रभावित करने का आरोप है। फेसबुक के भारत में 20 करोड़ से ज्यादा उपयोगकर्ता हैं। अगर यहां किसी ऐप में क्विज के द्वारा या अन्य तरीकों से उपयोगकर्ताओं को उनके राजनीतिक रु झानों सहित किसी पार्टी को जानकारी मुहैया कराई गई तो इससे चुनाव निश्चित रूप से प्रभावित होंगे। फेसबुक दावा करता है कि उसके यहां उपयोगकर्ताओं की पूरी जानकारी सुरक्षित है। पर यह दावा गलत साबित हुआ है। प्रश्न है कि क्या फेसबुक के साथ एनालिटिका का कोई व्यावसायिक करार है या उसने फेसबुक को भी अंधेरे में रखा? भारत ने उसे भी चेतावनी दी कि उसके प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करने वाले भारतीयों के डाटा की चोरी या दुरुपयोग के प्रयास को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

शिक्षण संस्थान

शिक्षण संस्थानों को बेहतरीन बनाने यानी उनमें गुणवत्तापरक माहौल पैदा करने के लिए केंद्रीय मानव संसाधन मंत्रालय का देश के करीब 62 शिक्षण संस्थानों को स्वायत्तत्ता देने का निर्णय कई किंतु-परंतु लेकर आया है। फैसले के मुताबिक पांच केंद्रीय विविद्यालय, 21 राज्यों के विविद्यालय, 24 डीम्ड विविद्यालय, 2 निजी विविद्यालयों भले विविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की परिधि में रहेंगे मगर वह आजादी और बेफ्रिकी से काम कर सकेंगे। इस आजादी के शिक्षा जगत में कई मायने निकाले जा रहे हैं। मसलन; अगर ये सभी शिक्षण संस्थान अपने तरीके से पाठ्यक्रम तैयार कर सकेंगे, नये विभाग बना सकेंगे, अपना नया कैंपस खोल सकेंगे, अपने यहां फीस तय करने और विदेशी शिक्षक नियुक्त करेंगे, तो क्या इनमें निरकंशुता का भाव नहीं पनपेगा? क्या ये उस बुनियादी नैतिकता को ताक पर नहीं रखने की चेष्टा करेंगे, जिससे मध्यम वर्ग या सामान्य वर्ग भयाक्रांत रहता है। सवाल यही कि क्या इन पढ़ाई के संस्थान वाकई वक्त की आपाधापी में इतने पीछे रह गए थे कि इन्हें आगे बढ़ाने और उन्नत करने का एकमात्र सहारा इन्हें आजादी देने से निकलता? यह हर किसी को सोचने की जरूरत है क्योंकि जब 1986 में राजीव गांधी के शिक्षा नीति लाने के बाद कई स्तर पर शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर चौतरफा सवाल उठने लगे थे। इस नीति के बाद यकायक निजी स्कूल-कॉलेज और निजी तकनीकी संस्थानों का जाल बढ़ता गया और क्वालिटी एजुकेशन महंगा और आम वर्ग से दूर होता चला गया। और ऐसे समय में सरकार ने अपने स्कूल-कॉलेजों के विस्तार और उनकी गुणवत्ता सुधारने पर ध्यान नहीं दिया। ज्यादातर सरकारों ने शिक्षा में बुनियादी बदलाव करने के बजाय उसका सियासी लाभ लेने की कोशिश की। हर किसी ने अपने-अपने नायकों को पाठ्यक्रम में शामिल करना ही अपना धर्म समझ लिया। तो क्या, मोदी सरकार के इस निर्णय से यह सब अब नहीं होगा; इसकी क्या गारंटी है? इस बात में कहीं कोई शक-सुबहा नहीं है कि शिक्षा में सुधार और उसे विश्वस्तरीय बनाने के लिए शिक्षा की मुख्यधारा की ओवरहॉलिंग की आवश्यकता है। साथ ही, निजी संस्थानों को निरंकुश होने से रोकने के वास्ते उनका समय-समय पर रेगुलेशन होना चाहिए। दरअसल, समस्या संस्थाओं की गुणवत्ता यानी उसकी नियंतग्र प्रासंगिकता की है। ताजा फैसले से इसका कहीं उल्टा न हो जाए, इसका ध्यान रखना जरूरी है।

सत्संग

आध्यात्मिक प्रक्रिया

अध्यात्मिक प्रक्रिया के बारे में सबसे बुनियादी बात यही है कि आप यहां इस तरह रहते हैं मानो सिर्फ आपका ही अस्तित्व है, किसी और का नहीं। चूंकि आप हर किसी को खुद के ही रूप में देखते हैं, इसलिए कोई समस्या नहीं होती। लोग मुझसे पूछते हैं, ''सद्गुरु आप जहां भी जाते हैं, चाहे दस हजार लोग हों या एक लाख लोग, आप कैसे बोलते हैं?' मैं उनसे ऐसे बात करता हूं, जैसे मैं खुद से करता अगर मुझे ऐसी आदत होती। यहां कोई ''तुम' नहीं है। मैं जो कर रहा हूं, वह किसी तरह का भाषण या प्रवचन नहीं है, मैं बस इस तरह बात कर रहा हूं, जैसे मैं खुद से बात करता क्योंकि जब मैं अपने आस-पास देखता हों, तो किसी और को नहीं, बल्कि खुद को ही देखता हूं। आध्यात्मिक प्रक्रिया का मतलब है कि किसी रूप में अपने अनुभव में आप सभी को खुद में शामिल करने वाले हो जाते हैं। आपके जीवन से तुलना और कॉम्पटिशन गायब हो जाते हैं। वरना तुलना के साथ शुरू होने वाली चीज कॉम्पटिशन में बदल जाती है और फिर बदसूरत रूप ले लेती है। जहां तुलना और कॉम्पटिशन हो, वहां खुशी जैसी जीवंत और सुंदर चीज भी बदसूरत हो जाती है। खुशी आपके जीवन का सबसे महत्त्वपूर्ण पहलू है। खुशी का मतलब है कि आप अपने अस्तित्व को शानदार तरीके से अनुभव कर रहे हैं। जब आप समावेशी होते हैं, यानी सबको शामिल करके चलते हैं, तो आप अपने अस्तित्व को शानदार तरीके से अनुभव करते हैं, इसलिए आप आनंदित होते हैं। मैं इसलिए आनंदित नहीं हूं क्योंकि मैं सबसे अच्छा डोसा बनाता हूं या आपसे बेहतर डोसा बनाता हूं, न ही मैं इसलिए अधिक आनंदित होऊंगा क्योंकि मैं आपके पकाए हुए बेहतरीन व्यंजन खाए हैं। मैं आपके रेस्तरां में आने से पहले भी जबरदस्त रूप से आनंदित रहूंगा। अगर आप कोई अच्छी चीज बनाएंगे, तो मैं आनंदित होकर खाऊंगा। अगर आप कुछ बुरा बनाएंगे, तो मैं आनंदित होकर उसे एक ओर सरका दूंगा। आप अपने अच्छे या खराब भोजन से मुझे खुशी नहीं दे सकते, न ही मेरी खुशी छीन सकते हैं। मैं चाहता हूं कि आप और दुनिया में हर कोई ऐसा ही बन जाए, जिससे आपके भीतर घटित होने वाली चीज को कोई और तय न कर सके।

भ्रष्टाचार का आरोप

अरविंद केजरीवाल को अब देश कतई गंभीरता से नहीं लेता। किसी पर कभी भी, कोई भी अनर्गल आरोप लगाने के बाद अब वे धड़ल्ले से माफी भी मांगने लगे हैं। माफी तब मांगते हैं, जब उन्हें लगता है कि उन पर हुए मानहानि के केस में वे कमजोर पड़ कर फंस रहे हैं। उन्हें जेल हो सकती है। वे जेल जाने की हिम्मत कहां रखते हैं? माफी मांग लेना ज्यादा चतुर कम लगता है। पिछले पंजाब विधान सभा चुनाव के दौरान वे अकाली दल नेता बिक्रम सिंह मजीठिया पर नशे के कारोबारियों से संबंध रखने के गंभीर आरोप लगा रहे थे। वे और उनके सखा संजय सिंह प्रेस वार्ताओं से लेकर जन सभाओं में पंजाब की जनता से वादा कर रहे थे अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो वो अकाली दल के नेता को कॉलर पकड़ कर घसीटते हुए जेल ले जाएंगे।

सतीश पेडणोकर

लोकतंत्र में वैचारिक और मत-भिन्नता हो सकती है। इसमें कुछ भी गलत भी नहीं है। पर लोकतंत्र किसी को भी ये अनुमति नहीं देता कि कोई अपने राजनीतिक विरोधी पर बेबुनियाद आरोप लगाए। आपकी भाषा शालीन तो रहनी ही चाहिए। आप ईमानदार होने का दावा करते हैं, तो करते रहें। जनता तय करेगी कि आप कितने सच हैं? लेकिन किसी भी दूसरे को भ्रष्ट कहने का अधिकार आपको किसने दे दिया

अरविंद केजरीवाल को अब देश कतई गंभीरता से नहीं लेता। किसी पर कभी भी, कोई भी अनर्गल आरोप लगाने के बाद अब वे धड़ल्ले से माफी भी मांगने लगे हैं। माफी तब मांगते हैं, जब उन्हें लगता है कि उन पर हुए मानहानि के केस में वे कमजोर पड़ कर फंस रहे हैं। उन्हें जेल हो सकती है। वे जेल जाने की हिम्मत कहां रखते हैं? माफी मांग लेना ज्यादा चतुर कम लगता है। पिछले पंजाब विधान सभा चुनाव के दौरान वे अकाली दल नेता बिक्रम सिंह मजीठिया पर नशे के कारोबारियों से संबंध रखने के गंभीर आरोप लगा रहे थे। वे और उनके सखा संजय सिंह प्रेस वार्ताओं से लेकर जन सभाओं में पंजाब की जनता से वादा कर रहे थे अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो वो अकाली दल के नेता को कॉलर पकड़ कर घसीटते हुए जेल ले जाएंगे। आप जरा देख लें कि कितने सड़क छाप किस्म की भाषा का इस्तेमाल वे कर रहे थे। तब मजीठिया ने केजरीवाल और आम आदमी पार्टी के दो अन्य नेताओं संजय सिंह और आशीष खेतान के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज करा दिया था, जब केजरीवाल दावा कर रहे थे कि वे पंजाब में नशे के कारोबारियों के खिलाफ आखिरी दम तक लड़ेंगे। मर भी गए तो अफसोस नहीं होगा। पंजाब को नशामुक्त बनाएंगे। यह बात अलग है कि पंजाब के अपने नेताओं को भरोसे में लिए बगैर अरविंद केजरीवाल ने बिक्रमजीत सिंह मजीठिया से लिखित में माफी मांग ली। मजीठिया के बाद उन्होंने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल उनके पुत्र अमित सिब्बल से भी माफी मांग ली। केजरीवाल ने तो नितिन गडकरी को पत्र लिखकर कहा है कि ''हम दोनों अलग-अलग दलों में हैं। मैंने आपके बारे में बिना जांचे कुछ आरोप लगाए, जिससे आपको दुख हुआ होगा। इसलिए आपने मेरे खिलाफ मानहानि का केस दायर किया। मुझे आपसे निजी तौर पर कोई दिक्कत नहीं है, इसलिए मैं आपसे माफी मांगता हूं।' इसी तरह की माफी उन्होंने कपिल सिब्बल और उनके पुत्र से भी मांगी है। यह तो अच्छी बात हुई। राह चलते किसी पर कीचड़ फेंक दी और बाद में कह दिया चाहो तो धुलाई का पैसा ले लो। दरअसल, अपने आरोपों से पलटना तो उनकी आदत हो चुकी है। केजरीवाल की जुबान ही बार-बार क्यों फिसलती है? मजीठिया से माफी मांगने से पहले उन्होंने पिछले साल अगस्त में भाजपा नेता अवतार सिंह भड़ाना से मानहानि का मामला खत्म करने के लिए माफी मांगी थी। उन्होंने 2014 में भड़ाना को भ्रष्ट कहा था। दिल्ली के मुख्यमंत्री के खिलाफ वित्त मंत्री और अरुण जेटली ने अलग से मानहानि का दावा किया है क्योंकि केजरीवाल ने जेटली पर दिल्ली क्रिकेट एसोसिएशन के प्रमुख के रूप में उनके 13 साल के कार्यकाल के दौरान घोर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था। केजरीवाल दर्जनों मामलों का सामना कर रहे हैं, जिनमें मानहानि, चुनाव प्रचार के दौरान होर्डिंग/पोस्टर लगाना, धारा 144 का उल्लंघन, दिल्ली में प्रदर्शन जैसे मुद्दों को लेकर दायर किए गए हैं। ऐसे ही मामले देश के अन्य हिस्सों जैसे वाराणसी, अमेठी, पंजाब, असम, महाराष्ट्र, गोवा और अन्य जगहों पर भी दायर किए गए हैं। इनमें से ज्यादातर मामलों में व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में मौजूद रहने की आवश्यकता होती है। मतलब उन्हें अब समझ आने लगा है कि जिन पर वे वार करते हैं, वे भी उनकी नींद हराम कर सकते हैं। केजरीवाल ने मजीठिया को लिखे ''माफीनामे' में कहा है, ''अब मैं जान गया हूं कि सारे आरोप निराधार हैं, इसलिए मैं आपके खिलाफ लगाए गए सभी आरोप और बयान वापस लेता हूं और उनके लिए माफी भी मांगता हूं।' केजरीवाल को अब पूरे देश से भी माफी मांगनी चाहिए क्योंकि उन्होंने किसी शख्स पर मिया आरोप लगाए। लोकतंत्र में वैचारिक और मत-भिन्नता हो सकती है। इसमें कुछ भी गलत भी नहीं है। पर लोकतंत्र किसी को भी ये अनुमति नहीं देता कि कोई अपने राजनीतिक विरोधी पर बेबुनियाद आरोप लगाए। आपकी भाषा शालीन तो रहनी ही चाहिए। भाषा में किसी तरह की अनुशासनहीनता स्वीकार्य नहीं है। आप ईमानदार होने का दावा करते हैं, तो करते रहें। जनता तय करेगी कि आप कितने सच हैं? लेकिन किसी भी दूसरे को भ्रष्ट कहने का अधिकार आपको किसने दे दिया? केजरीवाल यही तो कर रहे हैं। दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार से पहले कांग्रेस और भाजपा की भी तो सरकारें रहीं हैं। तब यहां कभी अराजकता और अव्यवस्था नहीं देखी गई। मगर केजरीवाल के मुख्यमंत्री बनते ही यहां उप राज्यपाल से लेकर मुख्य सचिव उनके निशाने पर आने लगे। आखिर दिल्ली कहां जा रही है? क्या यह सब अब देश की राजधानी में घटित होगा? आखिर हम सारी दुनिया को क्या संदेश दे रहे हैं? पूरी दुनिया दिल्ली सरकार पर हंस रही है। हर किसी पर सुबह-शाह आरोपों की बौछार करने वाला मुख्यमंत्री आखिरकार अपना काम कब करता है? दरअसल, केजरीवाल नाटक करने में माहिर हो चुके हैं। उन्होंने वास्तव में भारतीय राजनीति को पतित किया है। अब यह जगजाहिर हो गया है कि रामलीला मैदान में वे देश के तिरंगे का इस्तेमाल अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए करते थे। अब वे ईवीएम में गड़बड़ी की बातें करते रहते हैं। वे करप्शन से लड़ने का दावा करते थे। पर करप्शन के खिलाफ की गई नोटबंदी का वे विरोध कर रहे थे। तब देश की जनता को अपने पुराने नोटों को बैंकों में जमा करवाने से लेकर नये नोट हासिल करने में दिक्कतें जरूर आई। जनता को लंबी-लंबी लाइनों में लगना पड़ा। पर किसी ने ये नहीं कहा कि मोदी सरकार का नोटबंदी का फैसला गलत है। भारी कष्ट उठाने के बाद भी देश कहता रहा है कि अब काले धन से मुक्ति देश को मिलनी ही चाहिए। पर ममता बनर्जी के साथ मिलकर अरविंद केजरीवाल ने जनता को भड़काने की हरसंभव कोशिशें की। दिल्ली की जनता केजरीवाल को खूब अच्छी तरह से जान गई है। उन्होंने मुख्यमंत्री बनने के बाद कहा था कि वे सरकारी बंगला नहीं लेंगे। तब केजरीवाल कह रहे थे कि वे अपने लिए छोटा सा सरकारी घर लेंगे। परंतु वे शान से राजधानी के पॉश सिविल लाइंस इलाके के बंगले में रहने लगे। हालांकि वे बार-बार कहते थे कि हम वीआईपी कल्चर के खिलाफ हैं। केजरीवाल ने हद कर दी है। अब उन्हें नाटक बंद करके दिल्ली की जनता की सेवा करनी चाहिए।

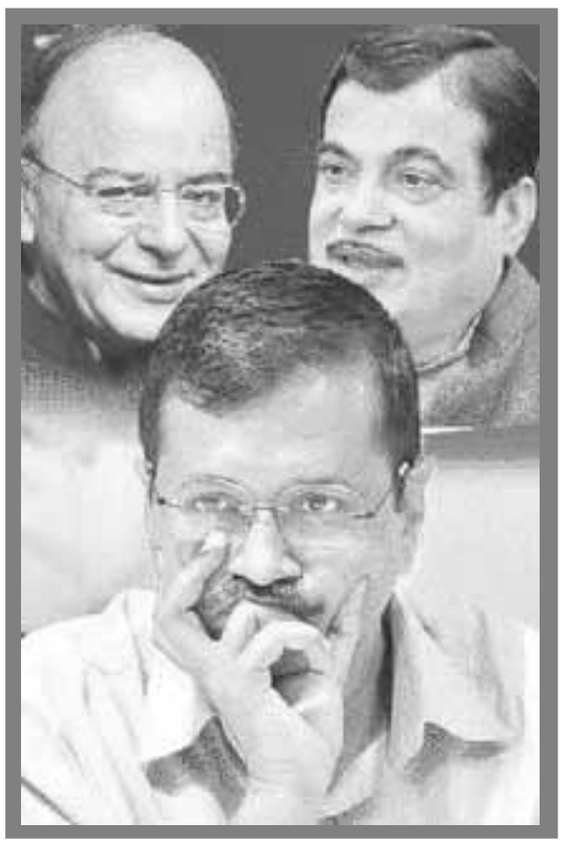

चलते चलते

''काम नहीं तो तनख्वाह नहीं'

संसद के मौजूदा बजट सत्र में दोनों सदनों के 74 घंटे बर्बाद हुए हैं। संसद की एक मिनट की कार्यवाही पर 2.5 लाख रुपये खर्च होते हैं। इस हिसाब से 1.10 करोड़ रुपये हंगामे की भेंट चढ़ चुके हैं। ''काम नहीं तो तनख्वाह नहीं' की मांग फिर जोर पकड़ रही है। कुछ सांसदों ने सहमति भी दी है। मगर बात अब इससे आगे निकल चुकी है, जिस पर अब बहस की दरकार है। लोगों में संसद ठप करने को लेकर रोष है। जिस प्रकार हो-हंगामा कर संसद ठप कर देने की संस्कृति स्थायी रूप ग्रहण करती जा रही है, उससे विधायिका के पंगु हो जाने का खतरा बढ़ गया है। इस संस्कृति की तोहमत सत्तापक्ष विपक्ष पर मढ़ता है, वही विपक्ष सत्ता में आने पर पक्ष पर। दरअसल, संसद का न चलना सामूहिक संसदीय आचरण की

कुछ सांसदों ने सहमति भी दी है। मगर बात अब इससे आगे निकल चुकी है, जिस पर अब बहस की दरकार है। लोगों में संसद ठप करने को लेकर रोष है। जिस प्रकार हो-हंगामा कर संसद ठप कर देने की संस्कृति स्थायी रूप ग्रहण करती जा रही है, उससे विधायिका के पंगु हो जाने का खतरा बढ़ गया है। इस संस्कृति की तोहमत सत्तापक्ष विपक्ष पर मढ़ता है, वही विपक्ष सत्ता में आने पर पक्ष पर।

असफलता है, जिसमें सत्तापक्ष अपने दायित्वों से पल्ला नहीं झाड़ सकता। अगर कोई संसद को ठप करने का प्रयास करता है तो उसके खिलाफ सत्र से निलंबन की कार्रवाई होनी चाहिए। साथ में सभी सांसदों को न्यूनतम उपस्थिति और सवाल पूछने की अर्हता भी निर्धारित हो। संसद को बंधक बनाने का मकसद अपने विषय की ओर देश का ध्यान आकृष्ट कर सरकार पर दबाव बनाने का सतही तरीका हो चला है। इसके पीछे सदन की कार्यवाही के सीधे प्रसारण को भी दोषी माना जाता है। इस पर भी विचार किया जाना चाहिए। आम लोगों को भी इसके लिए जिम्मेदार अपने सांसदों को ज्ञापन देना चाहिए। 90 के दशक अंत में हुए बोफोर्स कांड के बाद संसद को ''बंधक' बनाने की शुरू हुई संस्कृति समय के साथ बढ़ती ही गई। संसद पूरे दिन सुचारु रूप से चल जाए तो बड़ी खबर है। सवाल घूम फिरकर उपाय पर ठहर जाते हैं। जबकि इसका समाधान संसद के पास ही है। संसद सर्वोच्च है। यकीन मानिए अगर संवैधानिक मर्यादाएं नहीं होतीं तो सर्वोच्च न्यायालय से हस्तक्षेप के लिए जनहित याचिकाएं दाखिल हो गई होतीं। लोकतंत्र की सबसे बड़ी पीठ में अगर संवाद नहीं होगा तो कहां होगा? अगर टीवी पर बैठकर भिन्न दलों के प्रतिनिधि बहस कर सकते हैं तो संसद में क्यों नहीं? विरोध और भी तरीके और उसे प्रदर्शित करने के मंच हैं। कृपया संसद को चलने दें।

फोटोग्राफी...

यह फोटो 22 वर्षीय हेलिकॉप्टर पाइलट बीथेनी हर्नांडीज़ का है, जिन्होंने छह साल में वह सपना पूरा कर लिया जो असंभव था। बीथेनी ने 2012 में एक फोटो से बताया था कि उन्हें हेलि कॉप्टर पायलट बनना चाहती हैं। आज वे हेलिकॉप्टर पाइलट भी हैं और फ्लाइट इंस्ट्रक्टर भी। इतनी कम उम्र में यहां तक पहुंचने के लिए निश्चित ही उन्हें कड़ा परिश्रम करना पड़ा। बीथेनी कहती हैं, सेन फ्रांसिस्को स्थित उनकी फ्लाइंग क्लास में सभी पुरुष हैं, इसके बावजूद उन्हें वहां बहुत सम्मान मिलता है और वे तब ज्यादा खुश होती हैं जब किसी अभ्यर्थी को पायलट बनने का सर्टिफिकेट मिलता है। बीथेनी ने 1000 घंटे की उड़ान पूरी करने के बाद सर्टिफिकेट हासिल किया था, जो उनकी उम्र के हिसाब से ज्यादा महत्वपूर्ण है। दुनियाभर में करीब 1.30 लाख पायलटों में 4000 ही महिला पायलट हैं, उनमें से एक बीथेनी हैं। Instagram.com

''नेटीजन पीयर ग्रुप'

स्कूल की नाबालिग छात्रा ने अपने स्कूल के दोक्षिकों के यौन उत्पीड़न करने और बाद में फेल होने की वजह से आत्महत्या कर ली। खबर लगी है कि दो शिक्षकों के खिलाफपॉक्सो के साथ-साथ भारतीय दण्ड संहिता की आपराधिक धारा 306 और 506 में केस दर्ज किया गया है। इस छात्रा के परिवारजनों का कहना कि वह कई दिनों से बहुत दबाव व तनाव में थी। तकलीफ की बात है जिस विद्या के मंदिर में रक्षक ही भक्षक बन जाएं वहां हम समाज को क्या संदेश दे पाएंगे। कहना न होगा कि देश व प्रदेशों के मुख्तलिफ हिस्सों में लड़कियों व महिलाओं के साथ घटने वाली यौन उत्पीड़न की वारदातों ने देश व समाज को झकझोर कर रख दिया है। लगता है निर्भया यौन उत्पीड़न की घटना के बाद समाज की सोच में कोई खास परिवर्तन नहीं आया है। इसी कारण देश में यौन हिंसा की लगातार बढ़ती घटनाओं को लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं भी आ रहीं हैं। केवल इतना ही नहीं ऐसी घटनाओं को रोकने के सभी उपाय भी निष्फल हो रहे हैं। देश-विदेश के स्तर पर जो भी रिपोर्ट आ रहीं हैं, वे भी सब की सब यौन हिंसा के बढ़ते ग्राफ की ओर ही इशारा कर रहीं हैं। देश में यौन उत्पीड़न की लगातार इन वारदातों से न केवल देश में,बल्कि विदेशों तक में अपनी किरकिरी हो रही है। यौन उत्पीड़न की अधिकांश घटनाएं आज कानूनविदों व समाजशास्त्रियों को सोचने को मजबूर कर रहीं हैं। इस संदर्भ में गृह मंत्रालय से जुड़े आंकड़े खुलासा करते हैं कि भारत में यौन उत्पीड़न के मामले में लगभग 93 फीसद दोषी पीड़िता के ही परिचित होते हैं। आंकड़ों से यह भी साफ हुआ है कि 49 फीसद बलात्कार की घटनाओं में तो पीड़िता की आयु 18 साल से भी कम पाई गयी। दूसरी ओर, 18-20 आयु वर्ग में यह दर 34 फीसद तक रही। इन आंकड़ों की तकलीफदेह तस्वीर यह है कि 31 फीसद यौन हिंसा व छेड़खानी में पीड़ित लड़कियों की उम्र 14 साल से भी कम रही। दरअसल, मामला चाहे महिला छेड़छाड़ का हो अथवा यौन हिंसा का, इन सभी घटनाओं को अब किसी एक सामाजिक पैमाने से नहीं मापा जा सकता। गांवों से लेकर महानगरों तक मोबाइल व इंटरनेट ने बच्चों, युवाओं व महिलाओं के बीच अपना पूरा दखल बना लिया है। असल स्थिति यह है कि आप सड़क के किनारे तक से दस-बीस रुपयों का इंटरनेट सिम खरीदकर पूरी दुनिया की सैर कर सकते हैं। यहां तक कि पोर्न साहित्य तक भी इन्हीं सिम में कैद है। संयुक्त परिवार के टूटने और छोटे परिवारों में मां-बाप और बच्चों के बीच बढ़ती दूरी व संवादहीनता ने टीन एजर्स के बीच सोशल मीडिया के रूप में संवाद का एक नया ''नेटीजन पीयर ग्रुप' पैदा कर दिया है। मां-बाप को इस सचाई को समझने की फुर्सत ही नहीं है कि पोर्न उनके बच्चों के बेडरूम तक पहुंच गया है।

आज इस यौन शोषण में बाहुबलियों और दबंगों के नाम लिखाना भी बड़ी शान की बात मानी जा रही है। इसके अलावा, इसमें खाप पंचायतों के निर्णय, जादू-टोने और ऑनर किलिंग की बातें भी सामने आ रहीं हैं। तीसरे; यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 16 दिसम्बर को दिल्ली में हुए निर्भया कांड के पश्चात बलात्कार के दोषियों के प्रति कानून की सख्ती हुई है। सबसे दुखद तो यह है कि यौन उत्पीड़न से जुड़े मामलों में राजनीति और कानून से जुड़े पुरोधाओं के गैरजिम्मेदाराना बयानों ने भी इन व्याभिचारियों के हौसले बुलंद किए हैं। कड़वा सच यह है कि यौन दुष्कृत्यों से जुड़ी इन सभी घटनाओं के पीछे छिपा वह सामाजिक-सांस्कृतिक वातावरण भी है, जिसे हमने अपनी खुली बाजारू अर्थव्यवस्था और जाति व धर्म पर आधारित सामाजिक वैमनस्य और दबंगई राजनीति से तैयार किया है।

खबर संक्षेप

ई -टेण्डरिंग के सम्बन्ध में जिलाधिकारी के निर्देश

आगरा । जिलाधिकारी श्री गौरव दयाल ने जनपद के समस्त जिला स्तरीय अधिकारी एवं कार्यदायीं संस्थाओं को निर्देशित किया है कि शासन द्वारा प्रदेश के समस्त जनपदों के शासकीय विभागों में दिनांक 01 सितम्बर 2017 से ई-टेण्डरिंग व्यवस्था पूर्णतः लागू किये जाने हेतु ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया को बाध्यकारी कर दिया गया है। उन्होंने इस सम्बन्ध में मुख्य सचिव, उ0प्र0 शासन के पत्र दिनांक 07 फरवरी 2018 की प्रति ई-मेल द्वारा इस निर्देश के साथ प्रेषित किया है कि सभी सम्बन्धित निदेर्शानुसार कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस से पूर्व पुलिस ने साहसी महिला पुलिसकर्मी सम्मानित

आगरा। महिला अपराधों पर रोक लगाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस से पूर्व पुलिस ने जगह-जगह कार्यक्रम आयोजित किए। इसमें साहसी महिला पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया गया। सम्मान पाने के बाद सभी के चेहरे खिल उठे।पुलिस लाइन में एसएसपी अमित पाठक ने उन महिला पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया जिनका कार्य बेहतर है। जो अपराध को रोकने में अपनी पूरी ताकत लगा रही हैं। एसएसपी ने कहा कि महिला पुलिसकर्मियों का भी मुखबिर तंत्र मजबूत होता है। इनके माध्यम से कई अपराधी पकड़े जाते हैं। फतेहपुरसीकरी थाने में आयोजित संगोष्ठी में क्षेत्राधिकारी नम्रता श्रीवास्तव ने महिला अपराधो के प्रति संवेदना बरतने एवं महिला पुलिस कर्मियों को बराबरी का कार्य करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पुलिसिंग में आने वाली महिला पुलिस कर्मियों को पुरुष कर्मियों की भांति बराबरी के कार्य करने का मौका दिया जाना चाहिये। जिससे उनमें आत्म विश्वास की जाग्रति होगी।

डेढ़ लाख रुपये रिश्वत रंगे हाथ सीबीआई के हत्थे चढ़ा आयकर अधिकारी

फरुर्खाबाद,(एजेंसी)।

केंद्र सरकार काली कमाई करने वालों के यहां आयकर टीमों से छापे डलवा रही है पर जिले के आयकर अधिकारी छापे का भय दिखाकर कारोबारियों से वसूली कर रहे हैं। ऐसे ही एक आयकर अधिकारी को सीबीआइ की एंटी करप्शन टीम ने एक मिष्ठान विक्रेता से डेढ़ लाख की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा। घूसखोरी में मध्यस्थता कर रहे अधिवक्ता को भी गिरफ्तार किया गया। आयकर अधिकारी संजय कुमार जैन मित्तू कूचा बाजार स्थित बन्नू मिष्ठान भंडार के मालिक अरविंद भारद्वाज पर अधिवक्ता प्रमोद शर्मा के माध्यम से आयकर जांच का भय दिखा पांच लाख रुपये देने का दबाव डलवा रहे थे।

राज्यसभा नामांकन:

भीमराव अम्बेडकर की आर्थिक स्थिति सुधरी लेकिन करोड़पति नहीं

लखनऊ,(एजेंसी)।

राज्यसभा के लिए बसपा द्वारा घोषित उम्मीदवार भीमराव अम्बेडकर एक दशक पहले राजदूत मोटरसाइकिल से चलते थे, लेकिन अब उनके पास महिंद्रा की जीप और पत्नी के पास स्कार्पियो गाड़ी है। भीमराव 2007 में एक बार विधायक बने और 2017 के विधानसभा चुनाव में हार का भी सामना करना पड़ा। विधायक पेंशन पाने वाले भीमराव की आर्थिक हालत सुधरी जरूर, लेकिन वह करोड़पति नहीं बन सके। विधि स्नातक और अर्थशास्त्र में परास्नातक भीमराव के लिए खास बात यह है कि न तो उन पर कोई देनदारी है और न ही कोई मुकदमा।

जानें चल-अचल संपत्ति-

2007 के विधानसभा चुनाव में जब भीमराव ने शपथ पत्र दिया तब उनके पास पत्नी समेत एक एकड़ जमीन, 25 ग्राम सोना और 100 ग्राम चांदी के अलावा 50 हजार रुपये थे, लेकिन अब इसमें इजाफा हुआ है। अब उनकी पत्नी के पास सौ ग्राम सोना और 250 ग्राम चांदी है। भीम के पास 185793 और पत्नी के पास 847373 रुपये की चल संपत्ति है। उनके पास 1.840 एकड़ जमीन है और पत्नी कमलेश के पास 3850 व 709 वर्ग फीट है। इनकी 1005750 रुपये तथा पत्नी कमलेश के पास 20 लाख रुपये की अचल संपत्ति है। इटावा जिले के बजरिया निवासी भीमराव सियासी दांव-पेंच में सबसे भाग्यशाली साबित हुए हैं। तब जबकि बसपा के पास राज्यसभा में भेजने भर को पर्याप्त विधायक नहीं हैं, लेकिन सपा से समझौते की वजह से उन्हें एक बड़ा मौका मिल गया है। बसपा अध्यक्ष मायावती ने उन्हें मौका दिया और अब नामांकन के बाद उन्होंने मायावती के प्रति आभार भी जता दिया है। भीम राव कानपुर विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र विषय से परास्नातक तथा इलाहाबाद विश्वविद्यालय से विधि स्नातक हैं। भीमराव अंबेडकर वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में औरैया से बसपा के उम्मीदवार थे। तब 28 जनवरी, 2017 को उन्होंने शपथ पत्र में उम्र 52 वर्ष दिखाई है, लेकिन राज्यसभा चुनाव के लिए शपथ पत्र दाखिल करते हुए भीमराव ने अपनी उम्र 50 वर्ष दिखाई है। एक वर्ष बाद हो रहे इस चुनाव में भीमराव की उम्र उस हिसाब से 53 वर्ष होनी चाहिए, लेकिन 50 वर्ष दिखाई है। इस हिसाब से उनकी उम्र तीन वर्ष घट गई है। इस अजूबे पर लोग हैरान हैं। खास बात यह भी है कि भीमराव ने 2007 में बताया कि उन्होंने 1990 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से विधि स्नातक किया, लेकिन इस बार के शपथ पत्र में विधि स्नातक का समय 1992 दिखाया है। इस बारे में उनका पक्ष जानने की कोशिश हुई, लेकिन संपर्क नहीं हो सका।

जीआरपी आगरा फोर्ट ने तीन शातिर अभियुक्त दबोचे

आगरा। पिछले दिनों जीआरपी आगरा फोर्ट काजल गैंग को पकड़कर बड़ी सफलता हाथ लगी थी तो बुधवार सुबह जीआरपी आगरा फोर्ट ने दूसरे गिरोह के तीन शातिर अपराधियों को धर दबोचा जिसकी जानकारी एक प्रेस वार्ता के दौरान जीआरपी आगरा फोर्ट के इंस्पेक्टर ललित कुमार ने दी। प्रेस वार्ता के दौरान जीआरपी आगरा फोर्ट इंस्पेक्टर ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ शातिर बदमाश ईदगाह के पास बनी पुरानी केबिन के निकट छुपे हुए हैं जो अपराधिक वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। मुखबिर से मिली सूचना से जीआरपी हरकत में आई और जाल बिछाकर शातिर अपराधियों को धर दबोचा।

उन साथियों से एक लैपटॉप तीन मोबाइल और अपराधिक वारदातों में प्रयोग होने वाले चाकू बरामद किए हैं। जीआरपी पुलिस का कहना है कि मथुरा, अलीगढ़ जंक्शन, टूंडला दिल्ली इन रूटों पर चलने वाली ट्रेनों में यह विशेष तौर पर अपराधिक वारदातों को अंजाम देते थे। अपराधी

प्रेस वार्ता के दौरान जीआरपी आगरा फोर्ट इंस्पेक्टर ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ शातिर बदमाश ईदगाह के पास बनी पुरानी केबिन के निकट छुपे हुए हैं जो अपराधिक वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। मुखबिर से मिली सूचना से जीआरपी हरकत में आई और जाल बिछाकर शातिर अपराधियों को धर दबोचा।

वारदात के दौरान जब कोई इनका विरोध करता था तो उसे डरा धमका कर या फिर हथियार दिखा कर फरार हो जाते थे। फिलहाल जीआरपी आगरा फोर्ट में पकड़े गए शातिर अपराधियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई को अंजाम देकर जेल भेज दिया है।

आपाधापी के बीच शुरू हो गईं विवि की परीक्षाएं

कई परीक्षा केंद्रों पर सुबह साढ़े आठ बजे तक पहुंची परीक्षा सामग्री और प्रश्न पत्र

आगरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्व विद्यालय की सत्र 2017-18 की परीक्षाएं अव्यवस्थाओं के बीच शुरू हो गईं। सुबह की पाली की परीक्षा में ऐसी अव्यवस्थाएं देखने को मिलीं जो कि पहले कभी नहीं देखी गईं। कई परीक्षा केंद्रों पर सुबह साढ़े आठ बजे तक पेपर पहुंचा। छात्र डेढ़ घंटे तक पेपर के इंतजार में बैठे रहे। पेपर नहीं पहुंचने पर कई केंद्रों पर हंगामा भी हुआ। विवि के कंट्रोल रूम पर फोन पर सम्पर्क करने के प्रयास भी विफल रहे। आज बीए तृतीय वर्ष की गृह विज्ञानं और बीएससी तृतीय वर्ष की कंप्यूटर साइंस की परीक्षा है। रात में दो-तीन बजे तक छात्रों के प्रवेश पत्र अपलोड किए गए। उन्हीं छात्रों के प्रवेश पत्र कॉलेज की लॉग-इन पर डाले गए, जिनकी परीक्षा है। आज छोटे कोर्स की परीक्षा है। इसमें मात्र 14 हजार छात्र-छात्राएं शामिल हो रहे हैं। इनके अलावा बीएससी, बीकॉम, बीए मुख्य कोर्स, एमए, एमएससी के लाखों छात्रों के प्रवेश पत्र अभी तक नहीं पहुंचे हैं। इन छात्रों की परीक्षाएं भी एक-दो दिन में शुरू हो जाएंगी। इधर जिन छात्रों की आज परीक्षा है, इनके प्रवेश पत्र देर रात तक पहुंचे। किसी कॉलेज का 20 किमी दूर परीक्षा केंद्र था तो किसी का 40 किमी दूर। छात्रों को साढ़े सात तो प्रवेश पत्र लेने ही बज गए। इसके बाद उन्होंने प्रवेश पत्र लेकर कें द्रों की ओर दौड़ लगाई। केंद्रों पर सुबह साढ़े आठ बजे तक छात्र आते हुए दिखाई दिए। छात्रों का कहना था कि प्रवेश पत्र सुबह मिला है, फिर उन्हें केंद्र तक आने और उसे खोजने में समय लग गया। इसलिए उन्हें डेढ़ घंटा अतिरक्ति मिलना चाहिए। इसके लिए कॉलेज संचालकों की विवि अधिकारियों से वार्ता चल रही थी।कई कॉलेजों में पेपर और परीक्षा सामग्री साढ़े आठ बजे तक पहुंची। फिरोजाबाद के खैरगढ़ में एक कॉलेज में साढ़े आठ बजे तक हंगामा होता रहा। यहां दो कॉलेजों की परीक्षाएं थीं। छात्रों को केंद्र संचालक ने जानकारी दी कि पेपर और कॉपियां विवि से ही नहीं भेजी गई है। छात्र बसों में भरकर कुलपति आवास पर आने को कमर कस रहे थे। इसी बीच पेपर पहुंच गया। एटा में एक कॉलेज में सुबह पौने नौ बजे तक छात्रों के पहुंचने की सूचना थी। यहां रास्ता खराब था और कॉलेज खोजने में भी छात्रों को परेशानी हो रही थी।सेल्फ फाइनेंस कॉलेज एसोसिएशन के महामंत्री डॉ. आशुतोष पचौरी का कहना है कि विवि में आपातकाल जैसी स्थिति है। कुलपति ने सारे निर्णय अपने हाथों में ले लिए हैं। इसी वजह से यह समस्याएं हो रही हैं।

युवती की गोली मारकर हत्या करने के बाद पूरा परिवार फरार

आगरा । थाना सदर क्षेत्र के बड़ा उखर्रा नई आबादी राजपुर चुंगी में होली के दिन एक युवती की गोली मारकर हत्या करने के बाद पूरा परिवार फरार हो गया। इसकी किसी ने भी पुलिस को सूचना नहीं दी थी। आज सुबह सदर पुलिस को सूचना मिली तो वह मौके पर पड़ताल करने पहुंची। हालांकि सदर पुलिस को अभी हत्या करने वालों का घर नहीं मिला है। लेकिन पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। बड़ा उखर्रा क्षेत्र से मिली जानकारी के अनुसार एक युवक और युवती के बीच प्रेम संबंध थे। करीब सात-आठ दिन पूर्व लड़का रहस्यमय परस्थितियों में गायब हो गया था। उसका आज सुबह तक कोई पता नहीं चल पाया है। इस मामले की भी पुलिस को जानकारी नहीं है। युवक पहाड़ी क्षेत्र का रहने वाला बताया जा रहा है। वह यहां किराए पर रहता था। वहीं युवती यहां की ही रहने वाली बताई गई है। पुलिस को..सूचना मिली कि होली के दिन एक युवती की उसके परिजनों ने गोली मारकर हत्या कर दी है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार हत्या कर शव ठिकाने लगाने के बाद पूरा परिवार फरार हो गया। पुलिस घर नहीं ढूंढ पाई है लेकिन सूत्रों ने बताया कि हत्या करने के बाद से आरोपियों के घर पर ताला लगा हुआ है। होली के दिन से किसी ने पुलिस को सूचना नहीं दी था। आज सुबह सदर पुलिस को इस बात की भनक लगी तो वह मौके पर पहुंची। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर जानकारी जुटा रही है।

आज सुबह सदर पुलिस को सूचना मिली तो वह मौके पर पड़ताल करने पहुंची। हालांकि सदर पुलिस को अभी हत्या करने वालों का घर नहीं मिला है। लेकिन पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। बड़ा उखर्रा क्षेत्र से मिली जानकारी के अनुसार एक युवक और युवती के बीच प्रेम संबंध थे।

इनोवेटिव बैस्ट प्रैक्टिसेज के प्रस्ताव हेतु मण्डलायुक्त ने दिये निर्देश

आगरा। मण्डलायुक्त श्री के0राममोहन राव ने मण्डल के सभी जिलाधिकारियों को निर्देशित किया है कि जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित इनोवेटिव बैस्ट प्रैक्टिसेज के प्रस्ताव भारत सरकार को प्रेषित करते हुए उसकी प्रति नियोजन विभाग के निदेशक, दीर्घकालीन योजना प्रभाग, कालाकांकर भवन, लखनऊ को (मेल आई0डी0 कपतचचक/दपबण्पद) पर तथा हार्ड कापी प्रेषित करें। उन्होंने कहा कि समस्त जिलाधिकारी अपने जनपद में हो रहें इनोवेशन को प्रोत्साहित करने हेतु प्रचार-प्रसार कर यंग टैलेन्ट को प्रोत्साहित करने का प्रयास के साथ ही अपने स्तर पर सुशासन/बेस्ट प्रैक्टिसेज एवं इनोवेशन के प्रस्तावों का गहन परीक्षण कर प्रस्ताव नियोजन विभाग को साफ्ट कापी उक्त मेल पर प्रेषित करने के साथ ही हार्ड कापी भी भिजवा दें। उन्होंने इसकी एक प्रति उप निदेशक अर्थ एवं संख्या आगरा मण्डल को भी उपलब्ध कराने को कहा है।

झोल की पोल खुली नाले की निमार्णाधीन दीवार गिरने से चार मजदूर दबे

आगरा। छावनी परिषद के वार्ड नंबर 4 में उस समय अफरा तफरी मच गई जब क्षेत्र में नाले की निमार्णाधीन दीवार अचानक ढह गई और दीवार गिरने से नाले का निर्माण कर रहे 4 मजदूर उसमें दब गए। आलम यह था कि मजदूर की गर्दन दिखाई दे रही थी जबकि बाकी शरीर नाले में दीवार के नीचे दबा हुआ था।यह स्थिति देखकर पूरे क्षेत्र में अफरा तफरी मच गई। लोग मजदूरों को बचाने के लिए दौड़ पड़े।

जैसे तैसे इन मजदूरों को नाले से बाहर निकाला गया। जिन्हें चोट आई है उन्हें तुरंत अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया। कोई जनहानि ना होने से लोगों ने राहत की सांस ली।निमार्णाधीन नाले की दीवार ढ़ह जाने से क्षेत्रीय लोगों का आक्रोश भड़क उठा। उनका कहना था कि नाले का निर्माण काफी धीमी गति से चल रहा है और बीच में तो काम होना भी बंद हो गया था लेकिन इस निमार्णाधीन नाले में जो सामग्री लगाई जा रही है वह उत्तम क्वालिटी की नहीं है जिसके कारण यह हादसा हो गया। इसकी शिकायत कई बार संबंधित विभाग से की गई लेकिन कोई उचित कार्रवाई नहीं हुई।बहरहाल घटना से छावनी परिषद के अधिकारियों को भी रूबरू करा दिया गया है और अधिकारी इस मामले में जांच करने की भी बात कह रहे हैं।

अकबर टॉम्ब सिकन्दरा मे पेड से निकली भगवान गणेश की प्रतिमा

क्षेत्रीय लोगो ने कर दी पूजा -अर्चना शुरू

आगरा। थाना सिकन्दरा क्षेत्र स्थित अकबर टॉम्ब(सिकन्दरा) स्मारक में आज पेड़ में गणेश जी की प्रतिमा निकलने की अफवाह फैला गयी और क्षेत्रीय लोगों ने वहां पूजा अर्चना शुरू कर दी। अफवाह उड़ाने वाला पर्यटक तो वहां से पूजा-पाठ कर चला गया पर लोगों की भीड़ को रोकने में पुरातत्व विभाग की हालत बुरी हो गयी और इसके बाद भी कई आने वाले लोगों को वहां पूजा करने पुरातत्व विभाग से रोक नही पाया इदौर से आगरा घूमने आये एक पर्यटक रामचन्द्र ने आज सुबह सिकन्दरा स्मारक आकर एक पेड़ पर पूजा अर्चना शुरू की। पूछने पर उसने अन्य लोगों को बताया कि रात उसे यहाँ गणपति के होने का सपना आया था।पर्यटक के अनुसार सुबह यहां आने पर उसी जगह भगवान गणेश की वैसी आकृति उसे दिखाई दी है। कुछ ही देर में वहां पर्यटकों और स्थानीय लोगों की भीड़ लग गयी। लोग पेड़ के तने में बनी भगवान गणेश की आकृति को देखकर पूजा पाठ करने लगे।मौके पर आए पुरातत्व विभाग के अधिकारियों ने पहले लोगो को पूजा पाठ करने से रोकने की कोशिश की। बाद में बढ़ती भीड़ और आस्था का मामला देख कर्मचारी पीछे हट गए।सिकन्दरा स्मारक में लगे इस पेड़ में भगवान गणेश की प्रतिमा उकेरने की बात जंगल मे आग की तरह फैल गयी है। आस पास के गांवों और शहर के तमाम क्षेत्रो से लोग यहां पूजा करने आने लगे। स्मारक आये पर्यटक भी पूजा पाठ में शामिल होने लगे रामकृष्ण मिशन मथुरा से आये पंडित मनोहर का कहना है कि वो घूमने आए हैं और यहां पेड़ से कुछ सूंड जैसा निकला है।यह अपनी अपनी आस्था है कि लोग उसे क्या माने। वहीं दिल्ली से परिवार सहित घूमने आए मिस चैटर्जी का कहना है कि ऐसा उनके सामने पहली बार हुआ है।इस बारे में मनोविज्ञानी आनन्द कुमार का कहना है कि यह आपकी सोच पर डिपेंड है। ठीक उसी तरह जैसे बादलों में लोग अलग आलग आकृतियां देखते हैं। कई बार ऐसा होता है कि पेड़ पत्तियों और फलो कि आकृति हल्का सा भगवान से मिलने पर या अविकसित बच्चे पैदा होने पर लोग इस तरह अंधविश्वास में पूजा पाठ करने लगते हैं। इसका सत्य से कोई सरोकार नही है। बस इसे आप मन का भ्रम कह सकते हैं।फिलहाल इस प्रकरण से पुरातत्व विभाग की हालत खराब है। अकबर की कब्र यहां स्मारक में है। इसके अलावा पास ही मस्जिद और अन्य चीजें भी हैं। जिस जगह पेड़ मिला है, वहां तक जाने के लिए कोई टिकट नही है। इसलिए पुरातत्व विभाग की परेशानी बढ़ना लाजमी है कि कहीं क्षेत्रीय लोग आस्था की आड़ में कोई विवाद पैदा न कर दें।

राज्यसभा के लिए उत्तर प्रदेश से अरुण जेटली भाजपा उम्मीदवार घोषित

लखनऊ,(एजेंसी)।

राज्यसभा चुनाव के लिए बसपा उम्मीदवार के नामांकन के बाद सियासी हलचल तेज हो गई है। भाजपा ने उत्तर प्रदेश कोटे से केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली की उम्मीदवारी घोषित कर दी है, लेकिन अभी सात सीटों पर उसके पत्ते नहीं खुले हैं। संकेत तो यह भी है कि भाजपा नवें उम्मीदवार पर भी दांव खेलेगी। सभी दलों की निगाहें भाजपा के रुख पर टिक गई हैं।

राज्यसभा में उत्तर प्रदेश कोटे की दस सीटों पर चुनाव हो रहा है। भाजपा के पास आठ उम्मीदवार उतारने के बाद भी 28 विधायक बचेंगे। ऐसे में वह कौन सा दांव खेलती है, इसको लेकर सियासी कयास चल रहे हैं। भाजपा के अलावा सिर्फ सपा ही एक ऐसी पार्टी है जिसके पास एक व्यक्ति को राज्यसभा में भेजने के बाद भी दस विधायक बचेंगे।

बसपा ने उप चुनाव में सपा को समर्थन देकर राज्यसभा में समर्थन लेने का उपक्रम किया है।

जीत के लिए बसपा को कांग्रेस के विधायकों के वोट की भी जरूरत होगी। भाजपा अपने बचे हुए 28 विधायकों के मतों पर किसी निर्दल या पार्टी के ही उम्मीदवार के सहारे बसपा की राह रोकने की कोशिश कर सकती है।

भाजपा 2016 के राज्यसभा और विधान परिषद के चुनाव में अपनी क्षमता से अधिक उम्मीदवार उतारे थे। तब विधान परिषद में भाजपा के तीसरे उम्मीदवार दयाशंकर सिंह और राज्यसभा में निर्दल प्रीति महापात्रा थीं। तब भाजपा के पास 50 से भी कम विधायक थे, लेकिन चुनाव को रोमांचक बना दिया था। हालांकि गुजरात के राज्यसभा चुनाव से सबक लेकर अब भाजपा फूंक-फूंक कदम रखेगी लेकिन, इतना साफ है कि वह आसानी से विरोधी दलों की राज्यसभा की राह आसान नहीं करने वाली है। भाजपा का नवां उम्मीदवार विपक्ष के लिए मुसीबत का सबब बन सकता है।

राज्यसभा में उत्तर प्रदेश कोटे की दस सीटों पर चुनाव हो रहा है। भाजपा के पास आठ उम्मीदवार उतारने के बाद भी 28 विधायक बचेंगे। ऐसे में वह कौन सा दांव खेलती है, इसको लेकर सियासी कयास चल रहे हैं। भाजपा के अलावा सिर्फ सपा ही एक ऐसी पार्टी है जिसके पास एक व्यक्ति को राज्यसभा में भेजने के बाद भी दस विधायक बचेंगे।

विरोधी आज के दोस्त, दो पार्टियों के झंडे प्रत्याशी एक

इलाहाबाद,(एजेंसी)।

फूलपुर लोकसभा क्षेत्र के उपचुनाव में अजब-गजब रंग देखने को मिल रहे हैं। जी हां, आमतौर पर चुनावों में एक पार्टी से एक ही प्रत्याशी होता है और एक ही दल का झंडा-बैनर वाहनों पर लगाया जाता है। मगर उपचुनाव में यहां तो नागेंद्र सिंह पटेल ऐसे प्रत्याशी हैं जिनके काफिले में चल रहे वाहनों में दो पार्टियों के झंडे देखने को मिल रहे हैं। समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी नागेंद्र सिंह पटेल इलेक्शन कैंपेनिंग में निकलते हैं तो यही नजारा होता है। लग्जरी कारों में सपा के साथ ही बसपा का भी झंडा लहराता रहता है।

भले ही सब जानते हैं कि उपचुनाव में सपा को बसपा ने समर्थन दिया है, लेकिन एक ही गाड़ी पर दो पार्टियों को झंडा चर्चा का विषय बना हुआ है। पिछले हफ्ते बसपा ने सपा को समर्थन दिया तो उसी दिन से सपा प्रत्याशी तथा उनके समर्थकों के वाहनों पर दोनों पार्टियों के झंडे लहराने लगे। इन झंडों में उनके चुनाव चिह्न साइकिल और हाथी की भी फोटो रहती है। शहर से लेकर देहात तक जब ये वाहन दिखते हैं तो दोनों पार्टियों के झंडों की हमजोली अलग होती है। यही नहीं कस्बों, बाजारों से लेकर शहर तक मकानों और दुकानों में भी दोनों दलों के झंडे लहराते देखे जा सकते हैं। बसपा नेताओं की गाडियों में भी अब दोनों दलों के झंडे लहराते देखे जा रहे हैं। फूलपुर संसदीय क्षेत्र का यह उपचुनाव इसको लेकर बेहद रोचक हो गया है।

सूरत। सचिन सूडा सेक्टर 1-2 में मकान टैक्स को लेकर एक बहुत बड़ी साजिश का पर्दाफाश हुआ है। सचिन नगरपालिका विस्तार में वर्षों पहले खाली प्लाट पर बड़े बड़े मकान, कॉमप्लेक्ष बनाकर लोगों को भाड़े पर देकर या बेच कर प्लॉट होल्डर एक बड़ा मुनाफा कमा रहे है। लेकिन उसका टैक्स नहीं भरने के कारण नगर पालिका को टैक्स के रुप में मिलने वाले पैसो का नुकसान होता है इन बड़े-बड़े मकान बनाने के लिए सुधा परमिशन देती है लेकिन इनकी जांच पड़ताल सही ढंग से न होने के कारण सरकार के खाते को बड़ी चपत लगती है। इसके लिए जवाबदार कौन ? ऐसे बडी-बड़ी इमारतों को बनाने वाले के टैक्स न भरने के कारण नगर पालिका अपने कर्मचारियों को वेतन देने में असमर्थ हो जाती है, और आम लोगों के घरों का टैक्स बढ़ा देती है जिससे महंगाई से परेशान जनता पर एक और बोझ बढ जाता है।

'आज 24 मार्च अर्थात विश्व क्षय दिवस'

जिला क्षय सोसायटी ने मनाया विश्व क्षय दिवस

कलेक्टर महेन्द्र पटेल ने जिला में 2025 तक टी. बी. मुक्त करने के लिए सभी को दिलाया संकल्प

सूरत। 24 मार्च अर्थात विश्व क्षय दिवस - 2018। सूरत जिला में टी.बी. रोग को नेस्तानाबूत करने के लिए उत्कृष्ट कार्यवाही करने वाले डॉक्टरों और कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए तथा जन-जागृति के आशय से सरकारी मेडिकल कॉलेज के पीएसएम हॉल में जिला क्षय सोसायटी, सूरत द्वारा भव्य आयोजन कर क्षय दिवस मनाया गया।

इस प्रसंग के दौरान कलेक्टर महेन्द्र पटेल ने कहा कि टी. बी. के रोगियों को समाज में से ढूंढकर उपचार देकर इस रोग से मुक्तकरने के लिए सभी लोग आगे आएं। कलेक्टर ने 2025 तक जिला को टी.बी. मुक्तकरने के लिए सभी को संकल्प दिलाया। इस प्रसंग दौरान जिला विकास अधिकारी के. राजेश, मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. ब्रह्मभट्ट, मुख्य जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. हंसमुख चौधरी सहीत अन्य गणमान्य नोडल अधिकारी, सिविल अस्पताल के डॉक्टर और नर्सिंग स्टॉफ उपस्थित था।

स्वीमेर मेडिकल कॉलेज में विश्व क्षय दिवस पर निकाली रैली

सूरत। विश्व क्षय दिवस के उपलक्ष्य में लोगों में टी.बी. और डॉट्स उपचार पद्धति के विषय में जागृति और जानकारी फैलाने के लिए सूरत मनपा के आर एन टी सी पी विभाग के प्रमुख डॉक्टर के एन शेलडिया के नेतृत्व में शुक्रवार को स्वीमेर मेडिकल कॉलेज में एक रैली का आयोजन किया गया। उक्त रैली को प्रस्थान करवाने के लिए सूरत मनपा मेयर अस्मिता शिरोया ने हरी झण्डी दिखाई। उक्त रैली में स्वास्थ्य समिति के चेयरमैन अनिल बिस्किटवाला, डिप्टी कमिनश्नर हेल्थ एवं हास्पिटल, डॉ. हेमेन्त देसाई स्वीमेर मेडिकल कॉलेज डीन, डॉक्टर कल्पनाबेन देसाई आदि सहीत डॉक्टरों के साथ अन्य पदाधिकारी, अधिकारी, कॉरपोरेटर, मेडिकल कॉलेज स्टॉफ एवं अन्य जनसाधारण शामिल हुए।

कतारगांव की विवाहिता ने लगाई फांसी

सूरत। कतारगांव के इंदिरा नगर में रहने वाली एक विवाहिता ने पंखा के साथ दुपट्टा बांधकर फांसी लगा आत्महत्या कर ली। कतारगांव पुलिस घटना के संदर्भ में जांच कर रही है। कतारगांव के इंदिरानगर घर नं. 42 में रहने वाले दिनेश सोनी की पत्नी जमनाबेन (29 वर्ष) ने गुरुवार को अपने घर में किसी कारणों से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को जानकारी देने पर पुलिस घटना स्थल पर पहुंची और मामले की जांच आरम्भ कर दी है।

सलाबतपुरा से 700 किलो गोमांस बरामद

गोरक्षकों ने पुलिस को साथ लेकर मारा था छापा

सूरत। सलाबतपुरा में चलने वाले अवैध गो मांस के व्यापार की की गोपनीय जानकारी के आधार पर स्थानीय गोरक्षकों ने पुलिस को साथ लेकर मारे गए छापे के दौरान एक डैंपो से 700 किलो गोमांस के सात एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। पुलिस मामले को दर्ज करके आगे की जांच कर रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सूरत के गोरक्षक संजय रांदडिया ने गोपनीय जानकारी के आधार पर 7.15 बजे के करीब सलाबतपुरा पुलिस स्टेशन सीमा भाटेना में चलने वाली गोहत्या को लेकर छापा की कार्रवाई की थी। दौरान एक टैंपो से 700 किलो गोमांस के साथ आरोपी हारुन लंबू को गिरफ्तार करके सलाबतपुरा पुलिस स्टेशन ले जाया गया। जहां पर आरोपी ने बरामद मांस और गाय काटने के अपराध को कबूल किया। पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज करके कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

तीसरी मंजिल से गिरे कारीगर की इलाज के दौरान मौत

सूरत। शहर के चौक बाजार क्षेत्र वेड रोड में सांचा कारखाना में बीम उठाते समय अचानक तीसरी मंजिल से गिरने पर गंभीर रूप से घायल कारीगर की इलाज के दौरान अस्पातल में मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वेड रोड आनंदपार्क सोसाइटी घर नं. 197 में रहने वाले शिवाजी भालाभाई सोनवणे (40 वर्ष) अहमदावादी बेकरी के पास आने वाले सांचा कारखाना में कारीगर के रूप में काम कर रहे थे। उसी दौरान शिवाजीभाई कारखाना की तीसरी मंजिल पर बीम उठा रहे थे। तभी वे अचानक नीचे गिर गए थे। उनको इलाज के लिए लोकात अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां पर इलाज के दौरान गत रोज उनकी मौत हो गई। चौक बाजार पुलिस घटना की रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच कर रही है।

डिंडोली की प्रियंका सोसाइटी के युवक ने लगाई फांसी

सूरत। शहर के डिंडोली क्षेत्र बस स्टेण्ड के पास आने वाली प्रियंका सोसाइटी भाग-2 में रहने वाले युवक ने किन्हीं कारणों से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घटना से संदर्भ में डिंडोली पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रियंका सोसाइटी भाग-2 प्लाट नं. 27 में रहने वाला बावेश संजयभाई कामले (22 वर्ष) ने गत रोज गुरुवार को किसी अज्ञात कारणों से रात्रि के समय अपने घर की रसोई में लगे पंखे के साथ फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी होने पर डिंडोली पुलिस स्थल पर पहुंचकर लाश का कब्जा लेकर आगे की जांच कर रही है।

अडाजण में चेन झपटमार पकड़ा

सूरत। अडाजण के वाप्स अस्पताल के पास गत 10 मार्च को एक महिला के गले से चेन झपटकर फरार होने वाले उचक्केको पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अडाजण के पालनपुर गांव नीलकंठ रेजिडेंसी में रहने वाले अभिषेक सोनाग्रा की माता 10 मार्च को पैदल जा रही थी। उसी समय मोटरसाइकिल पर सवार होकर आया उचक्का उनके गले से 45 हजार रुपए की सोने की चेन झपटकर फरार हो गया था। घटना के संदर्भ में अडाजण पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने जांच शुरू की थी। राजस्थान संवाददाता, सूरत। अडाजण के वाप्स अस्पताल के पास गत 10 मार्च को एक महिला के गले से चेन झपटकर फरार होने वाले उचक्केको पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की है। इसी दौरान अठवागेट गज्जरवाड़ी घर नं. 5 केयर अस्पताल के पीछे रहने वाले चेन झपटने वाले शिरिष कुमार उर्फ शीलू प्रेमजीभाई गंगाणी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर आगे की जांच शुरू की है।

गरीबों के लिए कानून अमीरों के लिए खिलोना

सूरत। सडक किनारे बिल्डींग बना कर सड़क को ही पार्किंग बना लिया। कनकपुर कनसाड में सड़क के ऊपर वी बिल्डर ने कब्जा कर लिया है, आप तस्वीर में देख सकते है कि कोई बिल्डर ऐसा भी कर सकता है। लेकिन देखने वाली बात ये है कि आम आदमी जब कहीं गली कोने में भी अपना मकान बना रहा होता है तो भी कानून के रखवाले उसे कानून का पाढ पढाने आ जाते है, लेकिन इस बिल्डर को न तो कोई कानून का रखवाला कानून बताने आया और न ही किसी अधिकारी ने इतनी जहमत उठाई। लेकिन अगर इसकी जांच शहरी विकास विजिलेंस विभाग करें तो बड़े पैमाने पर की गई गड़बड़ीयों का पर्दाफाश होगा। हमारा इस खबर को दिखाने का उद्देश्य यहीं है कि बिल्डर द्वारा सड़क किनारे बनाए गए अवैध कबजे से किसी वाहन चालक के साथ दुर्घटना होने से पहले ही अधिकारी अपनी निंद से जागे और अपने इलाके में हुए अवैध बांधकाम से सड़क को यातायात के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक बनाए।

गुजराती फिल्म गुजराती वेडिंग इन गोवा की टीम पहुंची सूरत

सूरत। गुजराती फिल्म गुजराती वेडिंग इन गोवा 30 मार्च को पूरे गुजरात में रिलीज होगी जिसके लिए फिल्म के स्टार कास्ट और डायरेक्टर सूरत में पधारे थे। सर्वप्रथम किसी फिल्म के गीत को वर्ल्ड रिकॉर्ड इण्डिया में स्थान मिला है। केम करीने मनावु गीत जिसे कीर्तिदन गढवी ने गाया है। कुल चार मिनिट पचास सेकेण्ड तक एक ही शॉट में बिना किसी कट के इस गीत को शूट किया गया है। ऐसा आज तक बॉलीवुड की फिल्मों में कभी नहीं हुआ।

इस फिल्म में आज की युवा पीढी युवक-युवतियों के बीच प्रेम, झगडा, गुस्सा, पागलपन जैसे जीवन के अनेक पहलुओं समाविष्ट किया गया है, जिसे पूरे परिवार के साथ देखा जा सकता है। सुसंस्कृत और आनन्द से भरपूर इस कॉमेडी फिल्म को देखने के लिए लोग आतुर हैं। इस फिल्म में मुख्य भूमिका में जय, शिवांग ब्रह्मभट्ट, चन्द्रेश, गीत, गरिमा, नेहल, जेनी, भाविनी और चिंतन नजर आएंगे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com